दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 09 जनवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 102

महत्वपूर्ण एवं खास

मशहूर एक्टर का भीषण एक्सीडेंट, हवा में उड़े कार के परखच्चे

नई दिल्ली (आरएनएस)। साउथ फिल्मों के अभिनेता 53 वर्षीय अजित कुमार भयंकर हादसे का शिकार हो गए। इस दौरान उनकी कार के परखच्चे उड़ गए। लेकिन गनीमत रही कि उन्हें कोई चोट नहीं आई। दरअसल, अजित दुबई में हो रही कार रेसिंग में हिस्सा लेने आए थे। इस दौरान एक्टर रेसिंग कार में सवार होकर जैसे ही उसे ड्राइव कर रहे थे तो कार के परखच्चे उड़ गए। ये कार दीवार से गोल-गोलकर घूम कर टकराई। इस खौफनाक हादसे को देखकर लोगों की आंखें फटी की फटी रह गई। इस एक्सीटेंड का भयानक वीडियो अजित कुमार के फैन ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। जिसमें अजित रेस शुरू होने से पहले प्रैक्टिस कर रहे थे। इसी दौरान उनकी रेसिंग कार का इतना खतरनाक एक्सीडेंट हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक एक्टर ठीक है और उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई है। साथ ही उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है। अजित की कार का इतना भयंकर एक्सडेंट जिस जिसने भी देखा उसका कलेजा मुंह को आ गया। वीडियो में साफ दिख रहा है कि कार के टुकड़े-टुकड़े हो गए। इससे पहले भी अजित कुमार की जान जोखिम में पड़ चुकी है।

मंदिर में उत्सव के दौरान हाथी का उत्पात, लोगों को उठाकर पटका; 20 से अधिक घायल

नई दिल्ली (आरएनएस)। केरल में मल्लपुरम के तिरूर में एक मंदिर के बाहर हाथी ने जमकर उत्पात मचाया। हाथी ने अचानक लोगों की भीड़ पर हमला कर दिया। जिस कारण इस हादसे में 20 से अधिक लोग जख्मी हुए है। इसकी वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। केरल के मल्लपुरम में तिरूर का है। बुधवार रात यहां मंदिर में उत्सव चल रहा था। तभी देर रात 1 बजे के करीब उत्सव में शामिल हाथियों में से एक आक्रामक हो गया। उसने लोगों पर हमला बोल दिया। यह घटना तब हुई, जब याहू थंगल श्राइन में चार दिन से चल रहा उत्सव खत्म होने वाला था। यहां पांच हाथी एक साथ खड़े थे। उनमें से बीच में खड़ा हाथी, जिसका नाम पक्कोथ श्रीकुट्टन था, ने अचानक सामने खड़ी लोगों की भीड़ पर हमला बोल दिया। हाथी ने वहां खड़े एक व्यक्ति को अपनी सूंड में दबा लिया। इसके बाद उसने जोर-जोर से उसे घुमाया और फिर भीड़ के बीच फेंक दिया। व्यक्ति को तुरंत कोट्टाक्कल के एमआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत नाजुक है।

यूपी के काशी में पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश को दबोचा

वाराणसी (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में बुधवार को पुलिस द्वारा ऑपरेशन चक्रव्यूह चलाया जा रहा था कि उनके हत्थे एक बदमाश चढ़ गया। जब पुलिस ने आशंका होने पर इस बदमाश का पीछा किया तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें बदमाश के पैर में गोली लगी। घायल बदमाश को पुलिस ने दबोच लिया। एडीसीपी काशी सरवणन टी ने बताया कि पुलिस कमिश्नरी वाराणसी में अपराध की रोकथाम के लिए पुलिस आयुक्त के निर्देशन में ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत जनपद के विभिन्न जगहों पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। बदमाश को मेडिकल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

नेपाल-तिब्बत भूकंप : 126 लोगों की मौत, ढह गए 1000 से अधिक घर

काठमांडू

नेपाल-तिब्बत सीमा क्षेत्र में आए 7.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप में 126 लोगों की मौत और 188 लोगों के घायल होने की खबर है। इस भूकंप 1000 से अधिक घर ढह गए हैं।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि भूकंप मंगलवार सुबह 6:35 बजे (आईएसटी) आया, जिसका केंद्र अक्षांश 28.86 डिग्री उत्तर और देशांतर 87.51 डिग्री पूर्व में 10 किलोमीटर की गहराई पर था। स्थान की पहचान नेपाल की सीमा के पास शिज़ांग (तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र) के रूप में की गई।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि मौत शिज़ांग शहर में ही हुई हैं, जिसमें कई लोग घायल हुए हैं और कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है।

भूकंप के झटके पूरे उत्तर भारत में भी महसूस किए गए, जिससे बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और दिल्ली-एनसीआर जैसे इलाके प्रभावित हुए। इससे लोगों में दहशत फैल गई और वे अपने घरों से बाहर निकल आए। वहीं भारत में अब तक किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की खबर नहीं है।

शुरुआती भूकंप के बाद दो झटके आए । सुबह 7:02 बजे (आईएसटी) 4.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जिसका केंद्र अक्षांश 28.60 डिग्री उत्तर और देशांतर 87.68 डिग्री पूर्व में 10 किलोमीटर की गहराई पर था और दूसरा 4.9 तीव्रता का भूकंप सुबह 7:07 बजे (ढ़ढस्ञ्ज) आया, जिसका केंद्र अक्षांश 28.68 डिग्री उत्तर और देशांतर 87.54 डिग्री पूर्व में 30 किलोमीटर की गहराई पर था।

यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने भूकंप का स्थान नेपाल-तिब्बत सीमा के पास लोबुचे से 93 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में बताया। लोबुचे खुंबू ग्लेशियर के पास स्थित है, जो काठमांडू से लगभग 150 किलोमीटर पूर्व में और एवरेस्ट बेस कैंप से 8.5 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में है।

नेपाल अत्यधिक भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में स्थित है, जहां भारतीय और यूरेशियाई टेक्टोनिक प्लेटें मिलती हैं। यहां भूकंप आना कोई नई बात नहीं है। हिमालयी क्षेत्र में होने वाली यह टेक्टोनिक गतिविधि अक्सर अलग-अलग परिमाण की भूकंपीय घटनाओं का कारण बनती है।

वहीं नेपाल और प्रभावित भारतीय क्षेत्रों के अधिकारी सतर्क हैं और स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। भूकंप ने ऐतिहासिक रूप से विनाशकारी भूकंपीय गतिविधि के प्रति संवेदनशील क्षेत्र में फिर से चिंता पैदा कर दी है।

दुनिया पर मंडरा रहा बड़ा खतरा, बर्फ पिघलने से फट सकते है सैंकड़ों ज्वालामुखी

वाशिंगटन

क्लाइमेट एक्सचेंज का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। ऐसे में अंटार्कटिका में बर्फ की बड़ी बड़ी परते पिघल रही है। जिस कारण नीचे की चट्टानों पर वजन भी कम हो रहा है। एक नई स्टडी में, कंप्यूटर सिमुलेशन के आधार पर यह दावा किया गया है कि बर्फ की चादर के नुकसान से अंटार्कटिका के दबे हुए ज्वालामुखी फट सकते हैं।

हाल की कई स्टडीज से पता चला है कि जलवायु परिवर्तन के कारण बर्फ की चादर के पिघलने से इन ज्वालामुखियों के फटने की संभावना बढ़ सकती है। बर्फ के पिघलने से सतह पर दबाव कम होता है, जिससे मैग्मा का विस्तार होता है और ज्वालामुखी विस्फोट की संभावना बढ़ती है। वैज्ञानिकों ने कंप्यूटर सिमुलेशन के माध्यम से यह जानना चाहा कि बर्फ की चादर के पिघलने से अंटार्कटिका के ज्वालामुखियों पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। इन सिमुलेशनों से यह निष्कर्ष निकला कि धीरे-धीरे पिघलती बर्फ के कारण उप-बर्फीय ज्वालामुखी विस्फोटों की संख्या और तीव्रता में वृद्धि हो सकती है। मैग्मा चैंबर्स में मौजूद वाष्पशील गैसें, जो आमतौर पर मैग्मा में घुली रहती हैं, दबाव कम होने पर तेजी से बाहर निकलती हैं, जिससे मैग्मा चैंबर्स में दबाव बढ़ता है और विस्फोट की संभावना बढ़ती है। हालांकि, यह प्रक्रिया धीरे-धीरे होती है और सैकड़ों वर्षों में विकसित होती है, लेकिन यह दर्शाती है कि मानवजनित गर्मी को नियंत्रित करने के बावजूद यह प्रतिक्रिया जारी रह सकती है। ऐसे ज्वालामुखियों के विस्फोट सतह पर सीधे दिखाई नहीं देते, लेकिन इनका प्रभाव बर्फ की चादर पर पड़ता है। इन विस्फोटों से पैदा गर्मी बर्फ के नीचे पिघलन को बढ़ा सकती है, जिससे बर्फ की चादर कमजोर हो सकती है और समुद्र स्तर में वृद्धि हो सकती है। इस प्रकार, बर्फ के पिघलने और ज्वालामुखी गतिविधि के बीच एक सिस्टम पनप सकता है।

दिल्ली पुलिस ने अब तक करीब 100 बांग्लादेशियों को किया डिपोर्ट

नई दिल्ली । आरएनएस

दिल्ली पुलिस अवैध रूप से दिल्ली में डेरा जमाने वाले बांग्लादेशियों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। अब तक दिल्ली पुलिस ने करीब 100 बांग्लादेशियों को डिपोर्ट कर चुकी है।

ये लोग अवैध तरीके से दिल्ली में छिपकर रह रहे थे। वहीं करीब 500 से ज्यादा संदिग्धों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

लगातार दूसरे महीने दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेशियों पर शुरू की गई अपनी मुहिम जारी रखी हुई है। वहीं दिल्ली पुलिस ने एक और बांग्लादेशी नागरिक को वापस बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया है। यह व्यक्ति पिछले चार महीनों से अवैध तरीके से दिल्ली में इधर-उधर छिप कर रह रहा था। साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ ने इमोन अली नाम के शख्स को पकड़ा। जांच में पता लगा कि इमोन अली बांग्लादेश के बलियकंदी नरुआ गांव का रहने वाला है। यह चार महीने से दिल्ली में रह रहा था। पुलिस को जानकारी मिली एक शख्स महिपालपुर के पास घूम रहा है। पूछताछ में वह कोई डॉक्यूमेंट नहीं दिखा पाया। जब पुलिस ने उसके पास मौजूद दस्तावेज देखे तो पता लगा कि उसके पास कुछ भी नहीं है। बल्कि उसके पास से बांग्लादेश के डॉक्युमेंट्स की फोटोकॉपी मिली। जिसके बाद इसको एफआरआरओ के जरिए बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया गया है। बता दें कि अब तक तकरीबन 100 के आसपास बांग्लादेशियों को दिल्ली पुलिस एफआरआरओ के जरिए डिपोर्ट कर चुकी है। वहीं दिल्ली पुलिस अवैध बांग्लादेशियों पर कार्रवाई करने के साथ उन सिंडिकेट पर भी नजर बनाए हुए है जो इन बांग्लादेशियों को भारत पहुंचने में मदद करते है। साथ ही उनके कागजातों में भी उनकी मदद करते है।

असम के उमरंगसो कोयला खदान से एक शव बरामद

गुवाहाटी । आरएनएस

असम के दिमा हसाओ जिले के उमरांगसो इलाके में कोयला खदान में फंसे मजदूरों में से एक का शव पैरा गोताखोरों ने बरामद कर लिया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सीएम सरमा ने कहा, 21 पैरा गोताखोरों ने कुएं के तल से एक शव बरामद किया है। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बचाव अभियान जोरों पर है और सेना तथा एनडीआरएफ के जवान कुएं में उतर गए हैं।

इस बीच, एसडीआरएफ के डी-वाटरिंग पंप उमरंगशु से घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। इसके अलावा, ओएनजीसी के डी-वाटरिंग पंप को कुंभीग्राम में एमआई-17 हेलीकॉप्टर पर लोड किया गया है, जिसे तैनाती के लिए मौसम संबंधी मंजूरी का इंतजार है।

इससे पहले मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि जिस स्थान पर मजदूर फंस गए, वहां अवैध कोयला खनन किया जा रहा था और संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने अवैध कोयला खनन के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

मुख्यमंत्री ने एक एक्स पोस्ट में कहा, पुलिस ने घटना की जांच के लिए खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21(1) के साथ धारा 3(5)/105 बीएनएस का हवाला देते हुए उमरंगसो पीएस केस संख्या: 02/2025 के तहत एफआईआर दर्ज की है। प्रथम दृष्टया, यह एक अवैध खदान प्रतीत होती है। मामले के सिलसिले में पुनीश नुनिसा नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

उमरंगसो इलाके में कोयले की खदान में फंसे कम से कम नौ मजदूरों की पहचान कर ली गई है। नौ मजदूरों में से एक नेपाल का नागरिक है, एक पश्चिम बंगाल का है और बाकी असम के अलग-अलग इलाकों से हैं। उनकी पहचान गंगा बहादुर श्रेठ, हुसैन अली, जाकिर हुसैन, सर्पा बर्मन, मुस्तफा शेख, खुशी मोहन राय, संजीत सरकार, लिजान मगर और शरत गोयरी के रूप में हुई है।

वी. नारायणन होंगे इसरो के नए प्रमुख, 14 जनवरी को लेंगे एस. सोमनाथ का स्थान

नई दिल्ली । आरएनएस

वी. नारायणन को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अगला अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। वह 14 जनवरी को इसरो के मौजूदा प्रमुख एस. सोमनाथ का स्थान लेंगे। इसरो के एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक नारायणन वर्तमान में केरल के वलियामाला में लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम्स सेंटर (एलपीएससी) के निदेशक के रूप में कार्यरत हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायणन ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। उन्हें मुख्य रूप से रॉकेट और स्पेसक्राफ्ट प्रोपल्शन का विशेषज्ञ माना जाता है। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति के एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, नारायणन को अगले दो वर्षों तक इन भूमिकाओं में सेवा देने के लिए नियुक्त किया गया है।

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के एक आधिकारिक आदेश में कहा गया है, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 14 जनवरी, 2025 से दो साल की अवधि के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, अंतरिक्ष विभाग के सचिव और अंतरिक्ष आयोग के अध्यक्ष के रूप में वी. नारायणन, निदेशक, लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम्स सेंटर, वलियामाला की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

वे रॉकेट और स्पेसक्राफ्ट प्रोपल्शन विशेषज्ञ हैं और 1984 में इसरो में शामिल हुए और एलपीएससी के निदेशक बनने से पहले विभिन्न पदों पर कार्य किया। लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम्स सेंटर, जिसके प्रमुख नारायणन हैं, लॉन्च वाहनों के लिए लिक्विड, सेमी-क्रायोजेनिक और क्रायोजेनिक प्रोपल्शन चरणों, उपग्रहों के लिए रासायनिक और इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम, लॉन्च वाहनों के लिए नियंत्रण प्रणाली और अंतरिक्ष प्रणालियों की निगरानी के लिए ट्रांसड्यूसर विकास में लगा हुआ है।

वे प्रोजेक्ट मैनेजमेंट काउंसिल-स्पेस ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम (पीएमसी-एसटीएस) के अध्यक्ष भी हैं, जो सभी लॉन्च वाहन परियोजनाओं और कार्यक्रमों में निर्णय लेने वाली संस्था है, और भारत के नियोजित मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान के लिए राष्ट्रीय स्तर के मानव रेटेड प्रमाणन बोर्ड (एचआरसीबी) के अध्यक्ष हैं।

प्रारंभिक चरण के दौरान, उन्होंने विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) में साउंडिंग रॉकेट और संवर्धित उपग्रह प्रक्षेपण यान (एएसएलवी) और ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) के ठोस प्रोपल्शन क्षेत्र में काम किया। उन्होंने आगे एब्लेटिव नोजल सिस्टम, कम्पोजिट मोटर केस और कम्पोजिट इग्नाइटर केस की प्रक्रिया नियोजन, प्रक्रिया नियंत्रण और प्राप्ति में योगदान दिया।

वर्तमान में, नारायणन लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (एलपीएससी) के निदेशक हैं, जो इसरो के प्रमुख केंद्रों में से एक है। इसका मुख्यालय तिरुवनंतपुरम के वलियामाला में है, जिसकी एक इकाई बेंगलुरू में है। तमिल माध्यम के स्कूलों में पढ़ाई करने वाले नारायणन ने आईआईटी, खड़ग़पुर से क्रायोजेनिक इंजीनियरिंग में एम.टेक और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में पीएचडी पूरी की। यहां उन्हें एमटेक कार्यक्रम में प्रथम रैंक हासिल करने के लिए रजत पदक से सम्मानित किया गया।

प्रियंका गांधी को दिया इमरजेंसी देखने का आमंत्रण, इंदिरा गांधी की गरिमा पर पूरा फोकस : कंगना रनौत

मुंबई । आरएनएस

अभिनेत्री कंगना रनौत की आगामी फिल्म 'इमरजेंसी' रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में अभिनेत्री पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की भूमिका में नजर आएंगी। रिलीज से पहले उन्होंने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा को 'इमरजेंसी' के लिए आमंत्रण दिया है।

आगामी 'इमरजेंसी' 1975 से 1977 के 21 महीने की अवधि पर आधारित है, जब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आंतरिक और बाहरी खतरों का हवाला देते हुए पूरे देश में इमरजेंसी की घोषणा की थी।

अभिनेत्री ने कहा, मैं संसद में प्रियंका गांधी से मिली थी और पहली बात जो मैंने उनसे कही, वह यह थी कि 'आपको 'इमरजेंसी' देखनी चाहिए'। इस पर उन्होंने कहा, 'हां हो सकता है। तो देखते हैं कि क्या वह फिल्म देखना चाहेंगी। मुझे लगता है कि यह एक प्रकरण और एक व्यक्तित्व का बहुत ही संवेदनशील और समझदारी भरा चित्रण है और मैंने इंदिरा गांधी को बहुत गरिमा के साथ फिल्म में चित्रित करने का बहुत ध्यान रखा है।

अभिनेत्री ने कहा, जब मैंने रिसर्च करना शुरू किया, तो मैंने पाया कि उनके निजी जीवन के बारे में जानने के लिए बहुत सी चाजें थीं। चाहे वह उनके पति, दोस्तों या विवादास्पद समीकरणों के साथ उनका रिश्ता हो।

उन्होंने आगे कहा, मैंने खुद से सोचा कि हर व्यक्ति में बहुत कुछ है। जब महिलाओं की बात आती है तो उन्हें खासकर अपने आस-पास के पुरुषों के हिसाब से सीमित कर दिया जाता है और वास्तव में अधिकांश विवादास्पद कंटेंट इसी बारे में थे।

मोदी सरकार का बड़ा फैसला, राजघाट में बनेगी प्रणब मुखर्जी की समाधि

नई दिल्ली । आरएनएस

सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की समाधि बनाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 'राष्ट्रीय स्मृति' परिसर यानी राजघाट परिसर के अंदर एक विशेष स्थल को चिन्हित करने को मंजूरी दी है। लेखिका और प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है।

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मुलाकात की और बाबा के लिए एक स्मारक बनाने के उनके सरकार के फैसले के लिए दिल से आभार और कृतज्ञता व्यक्त की। यह और भी

अधिक सराहनीय है, क्योंकि हमने इसके लिए नहीं कहा था। प्रधानमंत्री के इस अप्रत्याशित दयाभाव और कृतज्ञता से मैं बहुत प्रभावित हूं। शर्मिष्ठा ने इसके साथ ही पीएम मोदी से अपनी मुलाकात और केंद्रीय शहरी एवं आवास मंत्रालय की चि_ी भी सोशल मीडिया पर साझा किया है। उन्होंने लिखा है, बाबा (प्रणब मुखर्जी) कहते थे कि राजकीय सम्मान के लिए कहा नहीं जाना चाहिए, बल्कि वह खुद ऑफर किया जाता है। मैं बहुत आभारी हूँ कि प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा की याद और सम्मान में ऐसा किया। हालांकि, इससे बाबा पर कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि वह अब इस दुनिया में नहीं हैं और वह प्रशंसा या आलोचना से परे रहे हैं लेकिन उनकी बेटी होने के नाते मैं अपनी खुशी को शब्दों में बयां नहीं कर सकती।

प्रणब मुखर्जी जुलाई 2012 से जुलाई 2017 तक देश के राष्ट्रपति रहे थे। उन्हें 2019 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। कुछ दिनों पहले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद जब कांग्रेस कार्यसमिति ने एक बैठक कर उनके निधन पर दुख जताया था और उनका स्मारक बनाने के लिए प्रस्ताव पारित किया था।

पीएम नरेंद्र मोदी जल्द करेंगे कश्मीर में जेड-मोड़ सुरंग का उद्घाटन

श्रीनगर । आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 जनवरी को जम्मू-कश्मीर का दौरा करेंगे और श्रीनगर-सोनमर्ग मार्ग पर जेड-मोड़ सुरंग का उद्घाटन करेंगे। सुरंग के माध्यम से सोनमर्ग तक हर मौसम में कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पीएम मोदी 13 जनवरी को यहां आएंगे और जेड-मोड़ सुरंग का उद्घाटन करेंगे। यह सुरंग गगनगीर से सोनमर्ग तक रोड को बाईपास करेगी, जिससे पर्यटकों और स्थानीय लोगों को पूरे साल हिल स्टेशन पर आने की सुविधा मिलेगी।

गगनगीर-सोनमर्ग खंड भारी बर्फबारी और हिमस्खलन के कारण

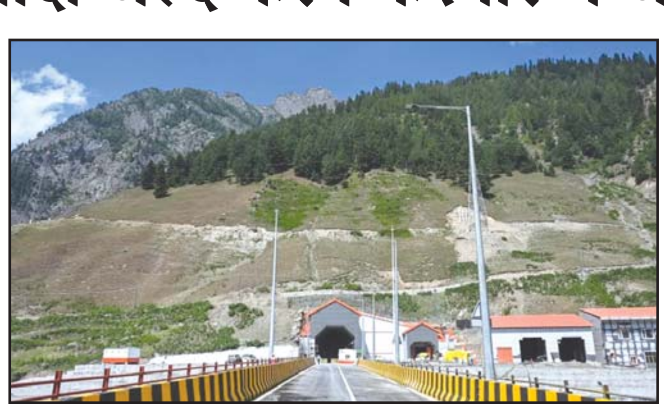

बंद हो जाता है, जो हर साल इस क्षेत्र में होता है। जेड-मोड़ सुरंग जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में गगनगीर और सोनमर्ग के बीच 6.5 किलोमीटर लंबी 2-लेन वाली सडक़ सुरंग है।

पहले जो रोड उपयोग में थी, वह हिमस्खलन से प्रभावित थी और अक्सर कई महीनों तक बंद हो जाती थी। लेकिन जेड-मोड़ सुरंग सोनमर्ग पर्यटक शहर को सभी मौसमों में जोडऩे वाली सुविधा प्रदान करती है। इस 6.5 किलोमीटर लंबी सुरंग को पार करने में केवल 15 मिनट लगते हैं, जबकि पहाडिय़ों पर ऊपर-नीचे टेढ़े-मेढ़े रास्ते से यात्रा करने में घंटों लगते थे। साथ ही यह, पास की जोजी-ला सुरंग के साथ, श्रीनगर-लेह हाईवे पर यह भू-रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सुरंग बालटाल (अमरनाथ गुफा), कारगिल और लद्दाख क्षेत्र के अन्य स्थानों को साल भर मौसम-रहित कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

इससे सैन्य रसद में भी वृद्धि होगी और पर्यटन तथा अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। सोनमर्ग को सभी मौसमों में कनेक्टिविटी प्रदान करने के अलावा, यह सुरंग स्थानीय युवाओं को रोजगार देने में मदद करेगी और क्षेत्र में पर्यटन तथा संबद्ध गतिविधियों को बढ़ावा देगी।

यह 31 सडक़ सुरंगों में से एक है, जिनमें से 20 जम्मू-कश्मीर में और 11 लद्दाख में हैं। सुरंग का निर्माण 2018 में शुरू हुआ था। 20 अक्टूबर 2024 को सुरंग के कर्मचारियों पर आतंकवादी हमला हुआ था। दो आतंकवादी गगनगीर में श्रमिकों के शिविर में घुसे और अंधाधुंध गोलीबारी की थी। इस हमले में जेड-मोड़ सुरंग का निर्माण कर रही इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी के छह गैर-स्थानीय श्रमिकों सहित सात नागरिक मारे गए थे। इस हमले में एक स्थानीय डॉक्टर की भी मौत हो गई थी।